

**BED I- PE 1**  
**बाल्यावस्था एवं विकास**  
**Childhood and Growing Up**

| <b>खण्ड 1</b> |  |
|---------------|--|
| इकाई सं०      | इकाई का नाम  |
| 1             | जन्म, शैशवावस्था एवं बाल्यावस्था : सार्वभौम                  |
| 3             | बच्चों के जीवन संदर्भों के परिप्रेक्ष्य में बचपन की बहुलता   |
| 4             | बच्चों के साथ अंतःक्रिया एवं अवलोकन: विश्लेषण के विविध उपागम |

| <b>खण्ड 2</b> |   |
|---------------|---|
| इकाई सं०      | इकाई का नाम   |
| 1             | शिक्षण एवं अधिगम के सन्दर्भ में सिगमन्डc फ्रायड के मनो-लैंगिक विकासात्मक अवस्थाद सिद्धान्तक के आधार पर विकास को समझना       |
| 2             | शिक्षण-अधिगम के संदर्भ में लेव वायगोत्सकी के मानव सांस्कृतिक तथा जैव-सामाजिक विकास के सिद्धान्त के माध्यम से विकास को समझना |
| 3             | शिक्षण और अधिगम के सन्दर्भ में पियाजे के संज्ञानात्मक विकास स्तर सिद्धान्त के माध्यम से विकास को समझना                      |
| 4             | शिक्षण एवं अधिगम के सन्दर्भ में ब्रूनर के संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त के आधार पर विकास को समझना                         |

| <b>खण्ड 4</b> |  |
|---------------|--|
| इकाई सं०      | इकाई का नाम  |
| 1             | जनसंचार माध्यम की खबर/आवाज, जनसंचार माध्यम का विश्लेषण, जनसंचार माध्यम की टिप्पणी और जनसंचार माध्यम वाद-विवाद के द्वारा दर्शाए गए बचपन और कार्य का विचार               |
| 2             | किशोरावस्था के निर्माण एवं अनुभव पर नगरीकरण एवं आर्थिक परिवर्तन का प्रभाव ; लिंग, वर्ग एवं गरीबी के सन्दर्भ में बच्चों के वास्तविक जीवन के निरूपण में मीडिया की भूमिका |
| 3             | बच्चे एवं किशोर-किशोरियों की जीवन वास्तविकताएँ: समग्र विश्लेषण   |